

40.3.EC

ने एक कहानी









गुणाकर मुहरे

- o © १८६१, राजकमन प्रकासन प्राइवेट निमिटेट, दिल्ली
  - कलापक्ष
     मसोतिएटिए यादिस्टस, नई दिल्ली
  - प्रकासक राजकमल प्रकाशन प्राइवेट निमिटेड, दिल्ली
  - मुद्रक शोभा प्रिन्टर्स, प्र३६७, मॉडल वस्ती, दिल्ली

जेनो की पहेलियाँ श्रकगिएत की पहेलियाँ १० ज्यामितीय पहेलियाँ ४२ प्रायिकता मिद्धान्त की पहेलियाँ žξ विविध पहेलियाँ ६४ ग्रनन्त-सवधी पहेलियाँ

तार्किक-गरिएत की पहेलियाँ

ও

52

દદ



#### जेनो की पहेलियाँ

टम पुस्तक का श्रीमणेष हम जेमों की पहेलियों में ही करेंग । मामान्यजन बैंसे ही गिएत की डुस्हरा में आत- कित हैं। आरंभ में जेमों की इन पहेलियों में ती तार्किक मुम्तान से एउड़जन हानेसाहित न हो आएं। इन पहेलियों को मर्वश्रमम तो हम इसलिए दे रहे हैं कि न कैवल जनसापारण के लिए, अपितु गिर्धावतों एवं दार्वीत्रकों के तिए भी ये पहेलियों साना रूप से पिछले वाई हजार वर्षों में मिर-दर्द बनी हुई हैं। पिछली गताव्यों में अपितम वरण में ही हम इनकी मुख-मुख सही व्याव्या कर पाए हैं। परंजु आज भी हम शावे के साथ यह नहीं ही कह सकते कि इन्हें हमने पूर्ण रूप से हल कर लिया है। यहां पर हम केवल कह सम्ये हम सहन करेंगे।

इलियाका जेनो (ई॰ पू॰ ४६४—४३४) प्रसिद्ध दार्शनिक पर्मे निहेश का मित्र था। जेनो के जीवन के बारे में हम बहुत कम जानते हैं। हम इतना-भर जानते हैं कि जेनो ने जब प्रयेन्स की यात्रा की तो गति-सम्बन्धी धपनी चार प्रतिकार्षे द्वारा अवेन्स के दार्शनिकों को उसने चिक्त कर दिया था। जेनो की चार पहेलियाँ इस प्रकार है—



(४) इस चौधी पहेली द्वारा जेनो ने सिद्ध किया कि प्राथा ममय दुषुने समय के बराबर है। निग्न तीन पक्तियों पर विचार कीजिए.—

विक्रीम दिवासि

क्यम दिश्रमि

समय श्राधे समय के बरावर हम्रा।

744 1541G	(active (cative
(平) 0 0 0 0	(ম) ০০০০
(ব) ০ ০ ০ ০	(य) ००००
( <b>₹)</b> 0 0 0 0	0000 (平)
पंक्तियों के झून्य समान वेग	स्थिर हैं, परन्तु (व) श्रीर (क) से विपरीत दिशाश्री में गति- गर पहेँचने पर, (व) पक्ति (श्र)
	यों को पार कर लेती है। ग्रंग
(ब) की (ब्र) के शून्यों के	ोपार करने में जितना समय
लगता है, वह (क) के घू	त्यों को पार करने के समय का
दुगुना होगा । परन्तु (व)	थौर (यः) को (ग्रं) की स्थिति

तक पहुँचने में बराबर ही समय लगता है। ग्रत: दगता

# यंकगिएत की पहेलियाँ

### विशाल संख्याएँ :

भौतिकवेत्ता, खगोलवेत्ता आदि को हमेशा वड़ी-बड़ी संख्याओं का उपयोग करना पड़ता है। इन विशाल संख्याओं को संक्षेप में लिखने का गिएत में एक सरल तरीका है:

एक ग्रस्व = १,०००,०००,०००

= \(\oldsymbol{0} \times \(\oldsymbol{0} \tim

म्रव यदि हम १० $\times$ १० को १० $^3$  हारा प्रकट करते हैं, १० $\times$ १०  $\times$ १० को १० $^3$  हारा प्रकट करते हैं, तो उपरोक्त

मरव की संस्था, नी १० का गुगुतभन्न होने के कारण १० कि हारा प्रकट की जाएगी। = सन्य की हम = ×१० किस प्रकट करेंगे। इसी प्रकार ३४,=७०,०००,००० की हम ३,४८७ ×१० किसा प्रकट करेंगे।

घव इम विधि से संबंधित एक सवाल को सीजिए— २ द्वारा लिखी जाने वाली सबसे बडी सख्या कोनमी होगी ? प्रापकी कुछ सभावनाएँ इस प्रकार की होंगी—

२२२, २२<sup>२</sup>, सौर २<sup>२</sup>

इनमें सबसे छोटी सहया है—२<sup>२ =</sup> २<sup>२ =</sup> १६। इसके बाद २२२ का स्थान झाता है। फिर २२<sup>3</sup> = ४८४ का।

सबसे बड़ी संस्या है २<sup>२२</sup> ≈ ४,१६४,३०४।

धव हम इन विशाल सस्याओं का कुछ चमरकार देखेंगे।

शतरंज का जादु:

शतरंज के सेल के नियमों को आप न भी जानते हों तो कम-से-कम इतना तो सभी जानते हैं कि शतरंज चौरस पटल पर खेला जाता है। इस पटल पर ६४ छोटे-छोटे चौकोण होते हैं। प्राचीन काल में परिया में शिरम नाम का एक बाद-भार भा। भारक की प्रनेत्रभिक चालों की देखकर बह रेल उसे देहद पसंद पाया। अवरंज के केल का प्राविक्तों उसी के राज्य का एक कुछ फकीर है, यह जानकर बादशाह को गुजी हुई। उस फकीर को उनाम देने के लिए दरबार में बुलासा गया:

"तुम्हारी इस अद्भुत सोज के लिए में तुम्हें इनाम देना चाहता हैं। मांगो, जो चाहे मांगो," बादशाह ने कहा।

फकीर—उसका नाम सेना था—नतुर था। उसने वादशाह से अपना इनाम मांगा—"हुजूर, इस पटल में ६४ घर हैं। पहले घर के लिए आप मुक्ते गेहूँ का केवल एक दाना दें, दूसरे घर के लिए दो दाने, तीसरे घर के लिए ४ दाने, चीथे घर के लिए द दाने और…। इस प्रकार ६४ घरों के साथ मेरा इनाम पूरा हो जाएगा।"

"वस इतना ही ?" वादशाह कुछ चिढ़ गया, "सैर, कल सुबह तक तुम्हें तुम्हारा इनाम मिल जाएगा।"

सेसा मुस्कराता हुग्रा दरवार से लीट श्राया श्रीर ग्रपने इनाम की प्रतीक्षा करने लगा।

वादशाह ने अपने दरवार के एक हिसाव-पंडित को गराना करने का हुक्म दिया। पंडित ने हिसाव लगाया— १+२+४+५+१६+३२+६४+१२५+''' (६४ घरों तक)

श्रर्थात् १+२+२²+२³+ " +२६३=२६५-१।

प्रवीत् = १८,४४६,७४४,०७३,७०६,४४१,६१४ गेहुँ भी दाने । मेहूँ में इतने दाने बादसाह के राज्य में तो क्या संपूर्ण पृथ्वी पर भी नहीं थे । बादसाह को श्रपनी हार स्वीकार कर तेनी पड़ी ।

t 2 v = {1 12 (r 12e

रातरंज पटन भीर गेहूँ के दाने द

नगभग १,०००,००० तहवरियां बदल लेगे । में फ़्री ९९ और रिफोह्स ०००,००९ एसएल भार से क्री परे म शाप ३६०० तरतीरया वदल लग । इसा प्रकार एक

-135, क्रिकेट । है १ अने धार्म धार्म क्रिकेट क्रिकेट े। मिर्गिक रूड्डे में इंड फिरुड्डे हैं उड़ के प्रिक्ट के मिर्ग है। फिरोक्टिक ४३ कि मैं स्विक्रीप स्टिइ'--विक्रेक शास

इस बात पर शायद यकायक आप विश्वास न करे। । मिन के कि ०००,०००,०००,००५ फिन-से-फिक कि एरोड़ी निवम क यनुसार ६४ तश्तीरयो को वेदसने में पुजारी

× £88 6 \$ -- 3ce-- ? Adid {c,888,988,093,000,448, किंद्र गाणत-हिरान से कुल परिवर्तनों की सब्सा होती

×

एवंड म रखना था। परन्तु वीन नियमा का पालन जरूरी एक पैसा इन पीनो सिक्को की, इसी कम भा हुमारी र्जा के उपर एक-का प्राप्त में में किया है कि के ग्रीर इतम स एक म १ अवन-ग्रवन सिक्के रख-क्रम्य: एक छल समन्ताया। उन्होंने मेज पर शेन व्हेटे रखी कि द्विमी ने कहाम हाम इंघ रेम नही कए । ई किए देश उचित होगा। यथने वसपन की एक धरता मुक्ते वाद उपरोक्त गएला को एक संवाद हारा स्पष्ट कर

×

# 18182 1914 17 an 1-1 & 11 pun ma (s)

1 11- 11-24-

हामा कि संस्था कि कार्य है। पर प्रकार की है।

1 12-

रसदा । मेरे के क्य-(119ी प्रिप्त किया तालका तिन्दार त्राप्त में महा त्रान्ति अन्ति विभाव विभाव के जार के भुद्रोग नार भूप में सरे पिन्ह Med flete fi fan jarp i ite ita it ite ite i महार कि अरे िमार है किसी में किसी में व देश कर (ह)

भिक् उत्पार हुए, त्रिह भा था वात होते, यद अपना किम

। किर में रितरित रिप्तति र्रोह्र । काउट 18वे निमे । एड एस हैं। एस में स्था है हैं।

। है ड़िष्ठ में गिनिंग कि ड्रेप (। रिनिम हिम् अल्ला महें हुई हि रामहुए के फिन्रू के हैं हैं हो राष्ट्रिय पर राकार के क्लिमें) हैं हैं हैं है के छें हुए हैं। उन प्राप्त निन्म रेसी। किर में रिसरी रिसर्ट रेसरिट क्लिक्ट रसी

"। फिरुमी लाख एंटाइट रिप्तर इंस्ट्रे का । छिर रम क्लिक कि छिं" , कि इडम हे छड़ाए ड्राए

मिने हिंग । येद अरुति हिंग प्रियं हे भीदी सिन्ते क फिड़ामठीक छिम् छिम्ड क्रिप्र । एको डि एफ़ निस

। किमी 15लका र्रस्ट में मारवतनी के बाद, सभी पिन दूसरी तहनरी में बहतन इक ,प्रायम सिन्द्र । एक शिला री स्टब्स प्रियह प्रसी के निस्तर क्तिक्य घम । एक्टी एए प्रमु किन्छू में क्रिक्क किस्कि क्ति कि छिन्द्रप्त सिद्धम प्रस्ती । प्रमुद्ध के सिन्ध्रम में छिन्द्रफ छिम् कि सिन्स अपन हिन्दा और है कि से सिन्स सिन्स है।

फिल्फ फिल्हू हमें कि हमें । फ़ाम ककरी किए रेप्

। प्रक्रम बाइट मेंमें "। कि द्विम द्वि किमने मेंमें ,क्तमारू द्विम" " एको म्हेररीए सेम्स्ने सङ्ग सम्मु की मिर्छ की है । भाई साहय ने बरांसा करते हुए पूदा -"मन्दा, पब

" र्लाडे रुकेम्प्री*ष्ट्र* रिस्सी व्रष्ट । रिस् इति तिन्तर - है वेस्ती हि कि क्रवे साप शामह पारण ियर प्रायी हेन मित्रती करें । यान की कि पीय की

, i

"៍ តែ ត្ងៃ ទីគ្នាថា កកែ នាំខ ៗជែ" । गम कामाम रक्तर "। क्रि"

ें +६,-१६३) राष्ट्र रसाव बनाव १५, ६५ "」下がわがけ シニを十多

"ें कि कि कि कार्य राष्ट्र रकि"

, वर्ष वत्य ।

1 172. 2 ેના નાતાની મું લેંદર્પું થઇલ સંદર્ભ સંદર્ભાય સંશાભ કું મું grande de Rade Blig ly Hobbie des dife ; b.,. 河西南"海南部",高兴中华兴。

--- th 1997 197 B किम्मी मृति क- ९६, ५९, १८, १८ - विविध्य वि

シーセンセンセンヒニ XX  $\alpha = 5 \times 5 \times 5 = 6$ \$=5×5---5

 $\delta - \delta \times \delta \times \delta \times \delta \times \delta = \delta \delta$ 

ेर प्राइ किछ ,डि केम्सी किनडी की डुं 1612 डुं डगस् ै है म्रिक प्राप्ननी रूप क्लिशिक (करिपट) एट्र

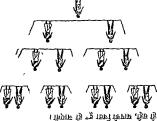
। मिंड्र निरुक मिर्फ़िरीम  $v \varphi_i = i - \varphi \times \varphi$ १९×९×९ मेड़ कि ड़ि क्वमी ३ घाएव कि ४ घीए के । ई क्षिंड स्थार पश्चम कि सिक्सीय क्ष्या या से में

X

। १—<sup>४३</sup>ç—रिम्ह १एअस रहज्जेह किनिईए मिर्क मह । फिरीहरू ४३ में रहनीम के हिराक ज़च्छी तरह से समभ सकते हैं। यतरज में ६४ घर हैं ै अद हम 'शतरंज का जाहू' और 'मुध्टि का अन्त' ने

× × X

क्तीमी के गम्भम कि एअमेरिक विवृद्ध मह समस्या है मुली के प्रदे विधि , आप के दिव्य कि किये मिनी कियम। हैं



न एमें इसे इस रूप राष्ट्राप्र ही किंद्रीय क्ष्य में सिली

हैक्स कि क्षित्रार सुद्र साथ प्रमा १ है। स्वार कि व्हिन्स मिलिसिप्र कि किला में क्षित्र कि हो। कि प्राप्ति कि कि रंगि क में हाप्र फ़िलेंस्स कि ज़ालें होंगे के कि दूर कि हा

主義 医进

X ×

कि हे प्रोप्त है वीचारी स्थिति है ५८ ५ ४ ५ ४ है विक्र है <sup>2</sup>5=5×5 फ़िलेंस कि फ़िए में लेफिसे डिस्ड 1 है निमिरस मारास रमछली हो पि हो मारास सहस गिष्ट क्रिक सक्त कि हम भट्ट, की है 165क सिह्ट गए है 1619नी हम कि पिक्सी क्ष हिन्दी की कि क्य हा, तद भी दूस प्रकार की बात सापने सबस्य सुनी हीगा। निर्मा कि कि कि कि क्रिक्स क्षेत्र विकास कि क्रिक्

ाछ्डेम कि हिम में जिष्टी हि०६ । ई जिए हैं जिह्न

× × ×

1 作列で 汚 とらこくととくをとっく? =・Eタ

अप्रवाह कैसे फैलतो है :

त्रीर कि द्रुप कि जानसह । ई कि लिल कि में प्रदूष रीप्त है में डिंग यो सुनी कोई अद्भुत घरना केंद्र को भी फिक्नीफ मे-इंपि छक् को है। ताप में नेश्रे गाह हैक

लाइ हे स्प्राप्त के दिन उस हमर्गम में है सिन्न में रही हैं।

ार होतिक हुई एसेट होस द्वीर रा 1836 छुट एसेटि एसिट हास । पिएए डि. डाम्ड होस होस्ट देंग्य राष्ट्री हें । दिस हास हैकि होस्ट होस्ट होस्ट होस्ट होस्ट

ygg viv liste lê vivg vier al yelle ippea ay ye viv fru ! § ibix alus ay vî lînvev vî § ibygs ye vî vivêt viv ( i vî ibir yev lîvse ! § ibirş pevete yev ye ye ye ye yevê yêb êbe ! § ibirş peve ip seal ye vî kîrêy yev

योर स्वरं खर मुन्न होता में स्वरं पहेंचा है। सेरे मेराय ४ व्यक्ति के सुनहें के प्रश्ने हैं सेरे सेराय सीमित कि सुनहें पहेंचा १६ व्यक्ति में सेरी सेराय उस बादमें हैं।

छड़ माछत्रीय कि ईर किलके ड्राइसक लीक राक्य कि

—ागिंड जाक्य है

(i=xi) +idi 即 近 班 班 班 加 idi+(i=xi) । गिर्म नार नात १८१ = ह. ०० तहा यस होसे होसे ८० कि के (वे x वेष)

(京文文文)十六字》 [四子四] [12] [14] [15] [15] । मह नार नान भड़ =

1 파파 뒤로 게트 63% =

= ३२५० लाग जात लग। ह. रह नेय संस् उस तथा था १०६३ में (३८७५६)

(65%大手)十05% (法 7年1) 15% (4 × 60.0%)

। ऐकि कार गान ९४ = ३ =

। रिंक नार्य गिल ४८४३६ = ४०.४४ बद्ध धम देन खेबर हो हद२४+ (३×६४६४)

एक व्यक्ति जातता था १०.३० तक सपुर्ण शहर में फेल शहर जान जाएगा। इस प्रकार जो जबर = बजे केबल ग्रेप्ट्रें कि रहा सह है है है के विकास अर्थ

जावा है।

## ात मान लोजिए, में बता देता है:

किति । ई फि राम्य तिराक किम्ह र्राप्त है िमाम रिप्राहिप कि 'एउड्रिफिंग' के प्राक्ष घड़ गिल से छड़िल । गिर् हुत्व 1 एड़ों है है ि निर्म किराह में जाइ के किए में करीर छुट्ट र्री ए गृलीि नाम में नम निगर गार कि एउंस फिकी

इस पहेली की बीजगणितकीय निहाँ द्वारा प्राचानी के

1 है 16ई मिट्ट कियाब एट्स कि एम क्या है। है 10ई

नाय स्थित अस्या को मान लोगिय । छत्र ४ से गुणा ने कीजिय, फिर ट को होजिय, जिर ४ में भूषा कीचिय और

ड़ि छड़ेन मेंनड़ 1 ड़े ईंट दी फलोईन' छष्ट दि उत्तर छड़ । ई टिड्न एटकप्रमाप्त कि मिकतीन फिलीएनेक रूउस ।

। है होरू हुर करीह शक्ष

मालम पारकाम बताइए ।

क्रिक्ट के क्रिक्ट के कि

×

एड़े हैं है सिम एड़े एवं । है शिए एथे एड़े छाड़े एड़े

द्रीय द्री

X ×

। ५ मिन्हे उन्ह शास-मिक्स प्रम्लाम देह मिनिंग में भंत्रास छ।इ 'स' वरी है सिंह मध्य ए त्राकष्ट एक एकतीय कारीबि कि 'इ' । ई एन्ड्राइ क्ति रिक्ट होंद्र स्ट्रा स्टिस स्टिस स्टिस है,

। 15 15म कि 1एउम हुई मिमि में भ्रम्ति अधु के वर्षी की घटा दी। २ से भाग दी। आर्भ नुमें इसमें में परा दी। १० परायो। २ में माम दी। के क्रिके कि कि विशेष । कि साथ कि ९ । विकि विभन्न केरक ाणुर में ४ कि रिम्ह के द्वार जिन्न है। डि्रिंग ०० । जिक तागुर म ४ । कि इंक्टि ड्रेन्ड ड्रिक् मिर्मिति में किंदि निगर । फ्रिक गणुष् हे ९ ,रिइक्टि ०९ । कि लाम कि १६० हे कियी : ह

1 09 '89, 48, 48, 80, 80, 1 नाता है—७ १७ ३४ ६४ ३४६। राष्ट्र त्रह हार 15मि इन । ई पेन ०९ शास किसर ग्रीस ई र्ताइ रिंग ० इ मि इस किमर । ई 1ति नाम कि थ में भरेगर हो।

X

े म है है ०९ 1 फ़्रांम महः ह

। है किंठ छित्रुक्त हैं। स

શ્રદ

में कि किसरे पर प्राप्त कि किसी मान छात्र किईस छट्ट । है किस 1820—है ही में किस्से , इंग्लिंड , किस 1830 में 9 कि कि साम किस्से : क में कि किस्से , किस 1830 में 9 कि मामुरीय छट्ट उसी

ाँड दृष्टि कि गिन्न एक गुंडू (मज के 00)) मेर हेतरने माणुरोप रोक्र हि 15म कि गुरुंस कि किने मेर कि गुरुंस क्यांस है कि कि हुए स्वासक क्यांस है कि इस किसमें प्राप्त के कि कि हुए स्वास क्ष्मिक स्वास है कि

में जर्द स्परी है, गएतना करता जाता है—७०, ७५, ३७४०, वन्दर, ३४६१। पः ३४६१। विषय संस्था में ११५ जोड़ देशा है। नई सस्या

क्रिया के स्टेस्ट के स्टेस्ट के स्टेस्ट के स्टेस्ट के स्टेस्ट के स्टिस्ट के स्टिस्ट के स्टिस्ट के स्टिस्ट के स [1 ३०४६ है स्टिस्ट के स्टेस्ट के स्टेस्ट स्टिस्ट के स्टेस्ट के स्टेस के स्टेस

य : विन्हार) बाब देर वर्ष है बोर संस्हारो जब स *पर्द* व : विन्हारो बाब देर वर्ष है बोर संस्हारो जब स *पर्द* 

free sid § dip win the name of the kip the navily of fired will be bel 8 ove it bec soo; 0x5+x00; xx+x5; %y-x § 66 kinyip thin sidh sid xxy2-xx+x0; yxxxxxx yxyxy, ni pepil rinyip it six yyy ni soo; nipenl rinyip it six yyy ni soo;

LEED कि ए को कि मानीए र्जाए सिंगान स्मिनि कि के विस ए माप्ट । सिंद्रि सम्बन्धे किए विक्र ५ स्था स्थानिक ६

× ×

। मुलीर श्राष्ट्र कि मामुलीर । मृह्यिकि इक्षि प्रमुख्ते क्षिप्त है एक उन्ह कि प्रमुख्य विद्वा हम एड़ेंसे यह । यहादि रहा हम दिन किया सिक्ष सिक्ष क्षिष्ट । मैटाहरू क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र । इस्ट क्षि किय के 1 महीति १४ के देकि किए विवे हैं। व

=x3--3x== xex +xex= soce 1] [य गर्न में गर्मना करना है: दर्श, इर्षट,

१ ई किंठ ,ई ३=०१ माफ्रिंगे : म

। ई कठि : ए

माएरीम ,गृजिलि नाम ाम्बें भी देखा मान लीजिए, परिपाम

× X । ताम्प्राप्त हि ३२०१ ।एमह

में भाग देना संभव है। 3 कि कि एकि के किए के 103 छ एड उसी कि कि भिष्ट ान्डे ए। मार कि-कि । राइ ३ मिरी , राष्ट्रि मिर डैकि

कोई भी गुणनफल) जोड़ दीजिए। इस प्रकार जो सस्या कि जिए, ग्रारंभ की संख्या का घटा दीजिए । ५४ (या ६ का ाणुः ६०९। गृलीि नाम कि ाष्ट्रिम छिन्। : ह

[N 4]491 &, x73c, x73co, x73co-x73c . सस्ता मैज्य नवाइत । मिलेगी उसका कीई भी घल निकास शीवए प्रीर रोप

म म ७१ र मि ५३ मि मि में मुख्य में में में में राज्ञ ०९ । है क्तिहरिक कि किंग्रे के प्रश्रम मुह ह ] 21:286E = x28x +3380x = xx+2x80x=

। इ.काठः प्र ा मि थ कम क्या मुद्र । धाकना . घ [७=०९─७९—ई फाउन १

1

क किंग्रे क्षेत्र । प्रशिक्ति नाम कि प्रवास किनी : प्र × × ×

का योग बताहए । किन्न कड़ और प्राथित डाक कम कि देकि उक्दांध कि द्र [1 ई हिन्छ पढ़ ४ उप नेंड लाभ हे ३ कि एउंछ छह की है तानार में, हेरनेर कर दीजिए। ३१ जोड़ दीजिए। विजानता योग की घरा दीजिए । प्राप्त सब्दा के बक्ते में सनवाहे

\$\frac{1}{2} \text{\$\frac{1}{2}} \text{\$\frac{ ्य सोन्या है १२३४४६७ १२३४४६०--२८≈

कि डक्ती क ०९) ७५ छइ । इ विक्र घट ९९—ई क्रांडिय कि (1931) कि एन कि लाम छ उक्ति १६) ४ छ ]

क्या है। ] हैसा हैं। ]

रे हैं करि । 18 ५ क्षेत्र 18 है । छाताः । ह

। कहि महममी : ए

ै कि रिड़्कि 1फ़रेंह कि देकि छिए प्रे घाएड कि ४६ छ किए द्राप्त स्ट कि स्कापद उप रिष्टे गार कि ५ । ई फिक्स लिड़ेष्ट स्ट्रिस्ट कि प्रकाषि गृह हिटी 1912 प्र प्रक्रि गाई

X X X X

#### अद्भुत भाग:

निम्न भाग में ४ को खोड़कर सभी अंक \* हारा दरशाए गए हैं । बुद्स खंकों को भरिए ।

\*\*\* \*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

\*\*\*\*

\*\*\*\*

\*\*\*\*

\*\*\*\*

\*\*\*\*

\*\*\*\*

१९००'श्वर : दर्श इर्श्वर १'ईर्श्वादर : इर्श्व= इर्श्वर्द्ध १'ईर्श्वादर : इर्श्व= इर्श्वद्ध इस स्टब्स् स्वीद ब्रियम्स इब्रु डु :

\$'505'XEX: CXC= \$X\$C1

: फिर्डिए कि छाग्रोर संडुन्ड । ई छोक कि घडिण्डोरिछ एमरीड्रेए कि छाग्रोर संडुन्ड । ई छोक कित्र घडिम्डोरिछ कि 'सम्प्र' फिड्र मिड्र मारी । कि छिम्री करम् क्ष

্রি নিদ্দ সমি দেশের সক্ষাহ ইলম চ্যানি এই ক্রিয় কর্ম নিট নিদ্দ সমি দেশের সক্ষাহ ইলম চ্যানি উটু কর্ম নিচচ দিহী কয়। ফি নিজক ব্লাচনী-মন্থানি কি মিডীর্ছ

्टिट के किस के

ই ভাষ্ট চাৰ্য কৰা হৈছ চকাৰি। ক্ৰিয় বিভাগ চৰাকৈ ইন্তু ফাৰী ক' হিচ্ছা মান্ত নিয়ম বিভাগ ছিল ক্ৰেন্ত চৰ্চা কি বিভাগ এই বিভাগ টোলু বা বিভাগ, ক্ৰিয়ম ভাষ্ট টি টি বিভাগ দ্বি বিভাগ বিভাগ তথ্য ক' বিভাগে স্থানি ক' হিছা চৰ্চা স্থান্য হ'ব কি বিভাগ বিভাগ বিভাগ মুক্ত টিবাৰ এই মান্ত চৰ্চা ক' বিভাগ বিভাগ

"। फिड़ि ड्रिफ

्रक्ष कि मह के क्यिंक फर मिर एक भी रिक्र भेरद्र

ा महास इन्द्रास से क्षतिय है।

<sup>। कि</sup> रामझीडु क्रिक्स दिए क्षींक्रिय , एक कि निर्दार मानर छ अर में हिए में सिद्धर हिंदि सिन्हिं। सिन्ह सिहाए से छित्र एन होह आहाइ फिनीड्स निर्मात है। में होनी महमार

"ें है कहि। गिउँ छिमिक मिए *है* कि हिन्ह थ मडु । रिरेक ड्रिन रुके-रुड्ड में समिते एट रुक्षा रुप्त िर्म ८ हुन्यू भारता एक १००० का विष्ठ हमकि हस्त्रीति कुछ एडु कि रिव्य शाम पट । विस्ति - विष्ठ हमकि हस्त्रीति कुछ एडु कि रिव्य शाम पट । विस्ति हैक ए हिकड़ में जाम कम मिरा गड़े" तहक में पहें

178ह "! द्वेह bमिक मिक छड़ेहा कि ड्रा मिस्टि"

। कि निशिष्ट मिक्डिन

ी है। महाका है। इस महास की है। एने पन ने । मेर्न पना ने । कि इह मह हम कि सि "कोई हुर्ज नहीं," यड़ी लड़की ने कहा—'शेष अप्डा

जिहि "ें एकिर तमाने पिर मड़ कि डिगर शहे रिए"

। १इप्रे म

अपिया ।" हि राष्ट्रं कि मेर्ड कि फि छमकि इष , गिर्ड । छक्पट्रवास कि डिप्प इन्ही , छिर माहरही । डिप्प नीए निए 3"

र्ह रिस्ट्र ", इंड्र कमिक किंग्ड कड़ का इस मनिहिंग

। 15क

। एंग्रेक क्रम हेम होन हंग्य अर्थेट सम्बन्धः । फिग्राम हे स्वयं क्षित्र हो प्रकार ।।।

TO litter topulose lugige little if the representation of the repr

भक्त सक । ग्रामाय गिक्री ध्रोक्टा ग्रिक्या कुण कमानम उठमाय कि कानीम कंछर । कि घठकर गहुर कि दिव्य इस कि प्रिमेश ईच्य है तमारी कि शिक्ती। प्रण्डेस पहुर -इग्रेंड कि ग्रिक्सी इस एति रहु , तम्ब इस स्क्रीही। पर उत्तर्ध १ स्नोग क् दिश्चि । है । द्विम इच्छ स्मारी कि सिक्सी उत्त । ह साम क् दिक्स प्रिक्त है । हिन्द इच्छ साम क्षी स्व

कि डिगक निगर महु" ,ान्ड्रीम छाप के हिछ हिमार

", विस्तु अध्य स्था है साथ है साथ स्था अस्य स्था। । १९६९ अध्य स्था है साथ है साथ स्था।

"? हु ड्रिफ कि लाग मह र ाफ्न"

ी गाड़ि दिए एक और एक केम 1 है अम मह । हिंदम १९३१) भिष्ठ । धर्मक प्रहित है। १३ भिन्न

af bib ild o नानना देवच्च के वाच प्रवास

"। शिष्ट ३ के शिष्ट क्या"

ं। भार ३''

। इस्ति है दिसा हिमाह एते हो हो है। इस है। इस है। इस है।

। मुख र्सार इसास नहीं था। बाबची ने तीनों के अपडे व

इस प्रकार : बड़ी लड़की की केवल १० अण्डो के ३+

所用 所限 og = (3×9)+(g×e) 帝 fzur oy fr I和 किइम डिर्छ प्रीष्ट ,र्नमी नाष ०६=(ç×३)+(ç×४) क रिएए ०६ कि किए में सिन्ध । सिनी निए ०६ = (६×३)

165की इस कि मि । जिंकि प्रय प्रमिड्ड विद्या । कुल आन हुए ६०।

× × । प्रज्ञी छर नीर ७३ रम शह क्षेत्र रहि । मही । महु

# : 15िए र्रीष्ट इमार्हणे

र्हम कि पिष्ठि छड़ हरू। कि रहारह के किए हि मानीए 

- प्रभित्र प्रक्ष सिन्दाक संदुत्त कि प्रकृत के द्वासाली स्वय लिह स्टर सिंगें "। ई गिर्मेंड लूपिर प्रमुप्त सिंगें सिंगें । प्रियो प्रकृति स्वयं सिंगेंगें सिंगेंगें

ातवर बाप भी दांद को हत बात को समस्य मिल । भीद "। हैं दुंद तक्ष नम-मिल दुंद में स्थाप नाम" । जिसमा जान स्वस्त स्वस्ता है।

.के एउन्हों के मान होते होते वात थे नकुर कम्हे १ कि क्षिमी होत्र कि विक्रिय हो में दृश्य १ व्याव्य कि हैए मी प्रिक्त प्राप्त क्षिमी क्षिमी के प्राप्त के प्राप्त मान होते स्वित स्वाय्य स्वाया क्ष्य के स्वाय्य स्वयंत्र के स

1 ray îr festiv fêcç reve re fift of § 2019 1 ya 33 ver fe ver vê teve tê ver deve. 1811 11 ya 39 ver fe ver vê teve deve. 1811 11 yê 39 ver fe ver de deve fe ver fe fift yîve 1 ye 39 ver te ver de deve fift yîve 1 ye 39 pe vîr reşê û 3929 ye ver te fepê û 9629 pe vîr reşê û 3929 ye ver te fe ye 4 ye 4 ye.

में हिडाहार हिडड़ मार तम तहा क्यों में क्योंगाम् क्या कि मध्य के विश्वों के क्यांमार केल्ट :तम । व्याद्ध विश्वों के क्यांमार के विश्वों के विश्वां के विश्वां कि विश्वां क्यांमार के विश्वां के विश्वां के विश्वां के विश्वां

९ है फिरम हि छेरू राजाते हैं ?

या रह नर्स । अध्यानायु सा नार्स ४=वर्ड साद्र सार्स ४६वर्ड सु उसका बार्ड

शुष्ट कि त्रीरि प्रक्षित्रमान्ती कि ८९३९ कुर पार राज्य कर किथे कि महत्रीय के दिशायन कि विक्तानक जिल्हा अवस्थ । कि प्रकार के

× × ×

ैं हैं हैं हैं किलीहुंग कि त्रीर प्राप्त क्षा हैं कि हैं। भु उत्तर कि कि मिलार उसर पासीके स्थिति कि के भु

नेक्ट 1ड्रेग क़ियू कृषर किमट हं गिरार कुए (१) किट 1ड्रेग क़ियू कृषर किमट हं गिरार का (१)

1 प्रतिक्षि । प्रजन्न स्ट दिसंकि जान नात निक्षा क्षित्र । क्षित्र क्षित्र । क्षित्र क्षित्र विक्षित्र । क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्य

वताद्या उन व्यक्ति की उस वया है ?" भें रेम "ई प्रम्म सर कि विम्हायान भेंश (९)

मित्र ने मुफ्से पूछा । ''नागाजु'नजी की ? १= वर्ष पूर्व उनकी शायु उनके पुत्र की शायु की ३ गुनी थी ।"

कि ह्या के हम् केंन्छ, अपु, उनके पुत्र के ब्यायु की 115क में हमी देमें '', है हि मिण्डू

भाष बताहरू । उत्तर में रूपीएरिक काम सब्देश कि महासिक्ष्य (१)

ष्ट्राप्त कि सिंटि प्रजिक्तिह प्रीय । है किंदि छाष्ट्र

"। ई किस्छ क्ष सिक्ष से सिक्ष

नाम । पाएगार एसी ई कि भावाय २ सर प्रमाहीहुष स्ट्र कि सिड्टेग स्ट्रा १ इस स्ट्रास्ट के स्ट्रा है स्ट्रा १ (६+२) — १६-ना १६-ना १६

 $\mathbf{r} = (\mathbf{s} - \mathbf{r}) \, \mathbf{c} - (\mathbf{s} + \mathbf{n}) \, \mathbf{c}$  $\mathbf{r}$  is  $\mathbf{r}$  in  $\mathbf{r}$  in

या सन्त की। तस पिता को सासू पुत्र स ह गुरो दो। स्वः स्वः

"गामनक जनीकृष्य एव कि सिंग्यन्य "'' ४, ४, ४, ६, ५, १, १ हेर्ग देन सरीवात के त्याप्त्रक करीकृष्य कर 1 है व्हेन



× × × (35 十の5 十 2 十 5 = 5 × सस्पायों के योग के रूप में लिखी जा सकती हैं (जर्म, तक सिद्ध कर पाए हैं कि प्रदेश कही सकता चार भूत ड्रिप को एड मोडाप्रियी हिनग्रीए फिड रूप किंदित के निहामार । है एक्टो एछिटी स्थिक में निस्माह कि छिट्टी शताब्दी का एक अस्पजीवी प्रतिभा रामानुजन ने इस

१७, १६, २३, २६ भीर ३१ । संख्या ४, ६, स्थाप्त प्रकार प्रथम १२ मूल संख्याएँ हैं : १, २, ३, ४, ७, ११, १३, कर थन्य किसी सख्या द्वारा भाग देना सभव न हो। इस नंह्या वह सच्या है, जिस स्वयं वह सहया और १ को छोड़-उत्तर हमने 'युतसंख्या' की परिभावा हो है : मूल-

यथम सूत्र विया नवा न + न + ४१ । वृद्धि न कोह हात लग की केवल सुलसख्याम की ही प्रकट कर । से गाणिता का यह प्रयास रहा है। कि कोई ऐसा सुत किया या कि मुलसस्पायों को संस्या धनत्त है । शताब्दियो बाज स जनमग रह सा बद तेव होबबड म । धड

सब्साद, मही है।

समन है । यदः वह सँत्र भी यजैववोगी सावित हुया । सूत्र का मान होगा १६=१, जिसे कि ४१ हारा माग हेना कि द्वि ०४ माम कि म ब्रीय मेकी है । ११ फेक उन्छ १ एक ह



ि फिसी हैंगे मेंडे कह सिय जी गाड़ि घोंग्य सड़ेग हैं ड़ि से गिम्टोरिस करने कि तम्ब ड्रिंग कि का क्ष्म क्ष्म कि बाबाव कि प्राप्त क्ष्मित क्ष्मित के इस्त र × × × × ×

इस विवेचन में हम और अधिक नहीं जाएंगे। इतनी

न्त्रा से सन्वधित भीर एक पहली है, जो गोणत-

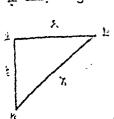
l Şişp bölləşe ik vie é viedê sie fara é esti -feir" şirar sedir ap û feru bifbylir aft rifeir (32,34—30,34 fr) fra 1 şvi boylır in besé fa vecéfeir ap û şvir-par ápro sie á gög fa

ानमां मिलों में प्राप्ति के रूट का प्रिमां कार्नम् (मंत्रीक) संस्ट<sup>™</sup>म्म-<sup>™</sup>भ्भः की द्वा मन्त्रे इसी संस्थ संस्ट्रम् (".४.१.६.९.१) प्रती के सिंगचन कतीत्रार संस्ट्रम् संस्था के दण प्रसिद्ध क्षियों के प्रस्त स्व.॥

; (§ wuln & 9 p v via § vail & voy æ. v. vo) (§
yo h al § (§r. spor froz à voil ve vor
"1, \*ve f ay ceur
15 vo h nh feu fau (332) pv) vo vo

ne voil (§r. vo fa te voi voi voil voil
yo vo

नहा विव सका



फ़्रांकारी की फ़री की फ़्रांकि साम ास्मक ड्राइक्स कि सिंग्रास्ट्र इ कि कि सुर्गामार्ट्राए एक १ ई. ४, ४, ६ न-१६ सिंग्ट्र की ई क्लिक्स मेंड्र झीड़ी १ ई स्ट्रेंस कि '५,= १४

। अन्, २, ४, १ का जाए हैं कि ट्रीम सक्तिक संस्था कि के मान मान हैं कि स्थान क्षेत्रक मान हैं। से स्थान क्षेत्रक मान हैं। से के मान से मान होता है कि से क्षेत्रक स्थान

०१

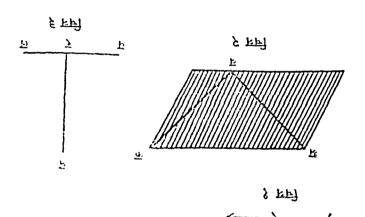
। ताइ कि रिकिनाए कमीडितीई है कि कि तेहम भूम की सिम्म की हिंदी की है की है कि मिस्म भूम की कि मिस्म कि की की कि मुद्देश की है कि मुद्देश की कि कि की कि की कि मुद्देश की है कि कि मुद्देश की कि कि कि कि कि कि की कि की कि की कि म क। हु गए पिए फिए छि एस्ट्रिड होए एड्रे केट कर्ष किए । हु हिए सकत सकत हुए गुरुत के मिए के कट वर्ण के

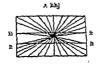
महन २००,००१ प्रमित काल साम समित १००,००० महन एहा स्नाम क्षेत्र एखा है। यह इनाम सभी मतीया कर रहा है—प्रापकी ।

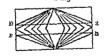
## रिम्मिइम एिमिमिए

### : मस्डगेड

12







१ ६६५

7 ( ) 7 ( )

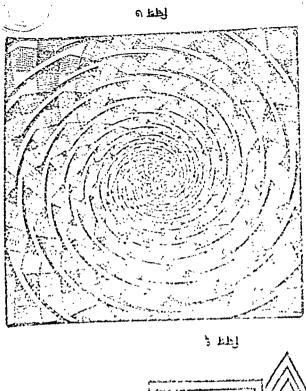
साम्बर्ग सम्बर्धाः स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्य

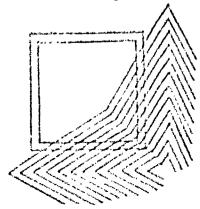
निमिए या यत रेबोक्स एक निमीमत वर्ग है। जिन्हें कि निमीमत एक निमीमत वर्ग है।



\_2218 .

114

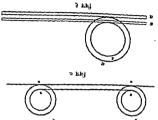




एका के क्षिप्तक देश कियों कहत के क्षित्र के के के के कि । है क्षिप्त क्षित्र के के हैं कि किया है कि के के

नियं ७ म निसादार रूटभूमि पर मेल फिल् नियहम स्वेट्ड बुस रिपेर १ । परन्तु माभाम एक नीम मा होता है ।

vr 1135 to 11 shad tood 1,95c too to 2 rel Şu tîz fortovi to 20 tou 1.5 tourus vare tog 20 Allet (Ar tou tou pero 1.5 vourus a 1917 de 79 tourus vare tou 2000, sou 3, tou 2000 tou 2007 de \$ rouru turigen 2000 sou 2000 tourus (\$ vourus turigen 2000 sou 2000 sou 2000 sou (\$ vourus turigen 2000 sou 2000 s

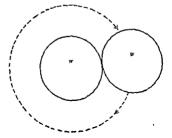


फिसल आम बद्दा है तो ख रल पर ज पहित का फिस-किह्य उप कर्ज क क्रिडीय है ही है जिस । एड्डी है विस्वाहता महिता व पहुँचे के कि एक मिल में में प्रकृत कि है। हिंह निए हिस्से किया व रल पर दिना फिर्स भाग उक् जाकाहर कि डॉक इंग्ल ड्रिंग निकास 15 15 में जाजार हिंगिए कि 15 है । है है है । इस इस इस है । है । फिड़ार लक्ष्म को लहाकि नाम हए। ११५०,१६ इह गिर ज्यात्रह के दिन्न कि हो जी। कि नह ह जा कर के के प्रकार का हिक्त-तृष्ट कि (1195व दिन विन्दाय कर कि तृष्टि प्र हा) हुए एक्टी उन्हें स्थित और एक मुद्रे भे अपि स्विताही कछ । भगित के भिष्ठ प्रश्निक के क्षिम कि सिक् उन कर हा तह इसके नह उत्तरम गुगू एक वह तहार मह 肝 1 作所 信用 1272 175 开岸 足 516 可以 5 平库 在 布 政 B 판가 (3 K計 PD(等) 등 RY 전18 MP 1FF # 1 음 मह स्टूब्स ए अफू-यण—ई म्हीर हि एह लिहि में की गृह्यात होए। द्वाराहारती में होए क्या नह हिन्दे हुन्दे प है।हमहू हि सम्दर्ग किही नह गिष्टह—: फर्न दिग्छ

र्क ड्रिट ११६ के 15 12 डी० कर्ष्ट्रार की ड्रा रंग्टात । गिग्राल ड्रिड्स सेस तीर रि. ड्रा तथी इंस्ट्रेडिट

 $\mathbb{R}^{2}$ 

वसा हागा।



। प्रशिक्ष राष्ट्र विचार व प्रकार व प्रमान है निवार

मेरीय किस्से की रूप रहा जाए घोट उस में किस रेडा किस उस्से किस होते होते होते होते होते होते हेहको ५० इन्हें किस स को होत डोडो किसे क्यें केस

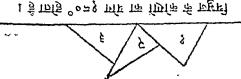
उत्तर विकास से प्राप्तनी समय जो है ज्यस तहाँ विक्योतीय कि किन्न निदि मीदिय, किसि याथ। है उत्तर रिप्त प्राप्त में भीरीय कि घरीरीय कि घर्नीक्रियों मान्स दीय सुरप्त। विपापक ब्रह्म का कि इन्हें निष्य व्यक्तियाँ

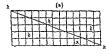
-फ्रंग में ब्रिसी जातनानी नामान में स्टिसी सिद्धी में मिर्म मान्य सामित हो मान्य स्टिसी स्ट्रांस क्षेत्र साम्य भाग स्टिसी से मान्य स्ट्रांस क्षेत्र सामित है। परीक्षाम क्षेत्र मान्य क्ष्रियां यदि विज्ञान से ही भी।

× × ×

<u>—है कार प्रश्न भार में क्लिक्स में स्क</u>

क च्हुमी की मादीके इसी हुए एनाइ एक्स कियों कुए : भाष क्षिण्डा । है स्तांह '०=१ एकि का एप्सि स्मिक्त है रिडाक एप्से फिल्ट इस्टि हैंड हिंद कि एएसा एप्सी रिडेड मह एस । हैं रिल्ट इस्ट इस्टि एनी के स्थित प्रसि







कृष के (क) केस्टु रे 7ॉम है ,है, है की (फ)नों है ड्राम कार द्वित भाग्नेध थान के क्रिकारी र म क्रिक्टि र म लिटारी में तित्तम में पूर्वित राज्यात्तास शर्दा है क्रुट्स क्या करीत हैंत्री - 1त्तम द्वित हैं पहुँच कि एट्सिट राज्यात्तास हुए छड़। है | 1त्तर्ष होसडों साम्म के सभी (क) द्वार प्राप्त ग्राप्त

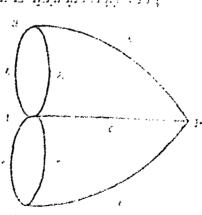




թջ ուս **գ** ուրթարնք. բա

भाव होतो है। -गृष्ट कि किछित रूककिलिलिंग में अप्रीप के द्विप प्रसिद्ध किड्रेंग ड्रिम १४३४म कि ग्रोर १४मी उन्हें १४१ड्र हमी १८७४ क गिष्ट कि प्रमी रुडीर के रुप्ट मी 195 निरुट (रोग्रहेक कप्—"! ाण्प्रार ड्रह में भंद्रम 'इसी' किस्ट्र एहाणीव इतिम उत्ताना होगा कि वह वात घरांभव है और गिर कोई वारे में सुना और इसके हैंज में जुट गया। ("प्रापको मात्र के 109मस सड़ है 7 छहाए । है डिस कमस रेगम तक प्रतक्ष छड़ की रत्म रक्त डिंग 'इसी' ड्रम मि डेर्क तरिएनी र्नछड़ ,म्नोह, फिमी ड्रिम पत्रक्तम मध्ये कि कोड्य कि कियो, शिष अरे और युन स्पने आर्रोनक स्थान पर लोह आए? कि कि पिष्ठ प्राप्त के रुक्त प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त कि पह समय है कि एक व्यक्ति राहर के किसी स्थान से नलना निन्त्ववा मे प्रायः इस बात की बचा उठती--व्या

ति स्थित १२ ति स्थाप स्थाप ति स्याप ति स्



एक्योंक्स क गेड्रीय में स्वस्थे : ११३

नार कारीशार में भारत हुन अपने आरोग के भारत है। पर बीट आ सहें है

, अस्त्रव, ई. १ आउवर व वर्श होडे कर दिखावा हर तंत्रा कर सकता

#### र एउ निज्ञी पृत्री के किन

नक्त तथार करन वाला का पह अनुभव ह मम-तस या गोल पर देशों को दरशाने के लिए केवल चार रंगों की जुल्हत पड़ती है। किसी भूखंड में शिह १, ३, ३ था फें मक स्वा हो तो इसे रंगने के लिए चार या इससे कम रंग

कि किस कि किन्नुंग एड पड़ को स्ट्रिंग केट व हैं तीम ए एटों। पार्तु स्टीट एटे उम्र उट्ट मार करा, रीव्हेंग लांख ए पड़े प्राणे के स्टेंग्ट किया की पार्त्ति स्टिमा उत्तरह सि एपो एड के प्राथम केड्न हरेग्ट। टिट्ट मारडेंग्ट किया का स्टब्ने एड दि हींट में प्रदेश एटिंग्ट स्टिमी हिंत पर पार्ट क्या —ई हिल्मी उप हुन्ही



हिनोद्यम क्षेत्र हे कुहते के क्षिम कि के कि कि लाग . घ हमी



कड़ि कि किस्तों उन किस्त हुन्यों | ड्री स्टब्स्ट्रास्ट्रास कि किंटे र्गब कु एडं ४ सेंसाटी किसी कुल स्टिस्ट्रास्ट्र स्ट्रांस एडस स्ट्रास हो | स्ट्रास्ट्रास्ट्रिस्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्र

हों। जगाम है उंदिन तक तक का जगान होंगा जागा नहीं में हैं। जयोद हमारे वा चुका है कि प्रेम के की है हैं। जयोद पर्ट पांचा का चुका है कि एक है हैं। हैं। जयोद पर्ट पांचा की जाते हैं कि को प्रभान के कि की को पांचा के किया की कर वाप है। कि कि की कि कि की हम की कि कि की कर वाप है। कि कि कि कि कि कि

ि उसी (है कथन बाद क्ष्म ४ मुझी के लिए कि रिश्त ति कि प्राप्त कि दिस्स कि कि सिन्धे, की है हम प्रश्न एयं प्राप्त कर प्राप्त क्षमित (क्षित्र) कि क्षम्

जिल ामहिम देति हि उठाए सी है चन्ड्रम ामछ । ग्रम छिड्री किड्री छड़ याद्र में छनंद्र-ठाग्रीत किसी सीवण हि छाव्य छिड्डी सहीस्त्राय हुन्सी । ईंग्रम ग्राप्तर्थ द्वैतिमन्द्रीक उप

। मिलिंग वा गोलोव ।

## io vioont) हिन्हिमी - क्रिस्पीए फिलिइंग कि (viilidadory

उमर है उपलोक्त रिवार कुरार कुरार का स्वास का रिम्ट के (९३ - ६९३ , हम) किन्या पालान के सिक्स के सिक्स के किंदी पिट एक के एक किंदि के किंदी के किंदी के सिक्स किंदी के कि

गह । गिर्ड । गिर्ड निर्म हम् दिशक किए। स्टि । गिर्ड हम । मिर्ड के इ उन्हाप के ए क्योंकि — गिर्ड हिम्सि । किए। इ से हम्सि । प्रमुद्ध के इ से । प्रमुद्ध के इ से । प्रमुद्ध के इ से । प्रमुद्ध । किए। अधिक । मिर्फ इस मिर्छ । किए। उ इ से । प्रमुद्ध । प्रमुद्

bâttur litpur 1 g sind fir sezip ineur geibid of sezip uz s zip 1 jû til ije fir sezip uz g i g d recal fe fire - tir c 92 — bis 1 rg fit. 3 inelië fe 7 — 9 vertr o icif fit 5 june rig gr zip 1 g 2 fe relys û teur ûpa 9 je iz û x ja 1 g b 1 g wil die 2 û reng fir thoi fir v isu 1 g bû fir ferfe seziv iteur rest u zip rû 1 jû fir pe ferfe seziv iteur rest u zip rû 1 jû fir pezî june iswe û fere 3 vi fit 3 inelieu fir 1 tire 2 s 7 ku inê fere 3 u cîru mê Eşte ôzil ye fir ardyin feru z yin u xir zilu xfu 1 g fire v sez reg a gerya ûng

म मामकृष के उन्हाम कि छाड़ उम् क्षित्र के छछं में स्पेट । ई छिम उत्तर एकड़ा कि है कि है कि छिम कि उप उत्तर में है। उन्न कि एकड़ि सुद्र भड़े की छेड़ा क्छर किरसार साइकी सहकोगा पर उन्हान में आहं पहचा

्रेहट में द्वेरिद्रम कि पिनोड़ सद मड़ की रोड्डम केस्ट्र किंप्टम-सिद्धानी-सिक्सीस मड़ सेड्डम की पाई हिम्स रिप्ट शिक्स-तिर स्पत्नी सद्घ सेट्ट 1 से सार होत स्प्रूट दि

—गेंद्रेक स्त्राय एक होसमा कि 175व सिकी—डेहु बृद्ध तिमाश श्राप्त के नव्हि

निक्ता (Piolodoral) तहकापि — डिक ग्रंथ शिक्ता कुछ के हैं है हैं स्थान इह । हूं शिक्षाहर रुष हम है कि देशमें सुद्द कुछोई"

्र हे स्थित हे स्वर्ध संभावना या चाधिकता कितने हैं

<sup>प</sup>र ई एक एन्डमीए ८० वी ख़ुरान हुए एक स्कूरण

१ १४३: इस: अंग स्टिन

हि कि कि की 1 है लाक 1950 कुछ के हुए के कुछ। मह । इस कि अपनेति सभी हुए के 19 - ई विक्रमाय है प्रकार मह । कि इस्मीक भक्त कि कुछ कर के कि कि कि : है भिष्य प्राथित सम्बद्धि स्थान कि

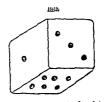
. दें = प्रतिकृति ग्रीति ग्रीतिक्ता सम्बाधित अनुस्ति अस्ति ग्रीतिक्ता सम्बाधित

Zh khj

"एक सिर्म के साथ तो पहु नरल लगता है," किसी में बीच में टोली "किमी जहिल बस्तु, जेंसे पामें केसाय, इसे समक्ताइए तो ।"

र्तिए कप्र एड ,रिसार" । इक में हताग्रीर ",ई कठि" तिर क्रिप्र क्रह्र त्रीर है । ति कि

(रामी प्रकार्ड)। का ३ सं १—है सिंह ग्रिपटन र



Asplie pre fie fir p à l'ere fi fig. fer. Tyr p à rer affre ( f. firsa) hispiris re [ ] red fi [ f firse presse fr. fra p p f ; as hardle re despresse per ( fr. p f fire r ", f ; f

ंहें एक फिल्क्योप के लागून केंद्र में कुण की है र्कत साम द्वार मुद्र और 'हें दें फिल्मीस'' प्रिय कि में प्राप्त प्रदेश हैं प्रकृषि कराब-स्पी के फें '', हें प्रशाद एके से फेंस्

के महरू स्ट अपेंड हैं, १ कृ अपेट से अस्य अकि। एक्ष्मिकील श्रीष्ट्र २० ' १ देशन अवस्पीए

क्ट्रिंग प्राप्ति देश किया कहा कार्यकों अन्य सम्मा इक्ट्रिंग (प्राप्ट क्रिक्ट्रिंग को इंक्ट्रिंग प्राप्ट क्रिक्ट्रिंग किया क्रिक्ट्रिंग के क्रिक्ट्रिंग क्रिक्ट

जिष्टु नित द्रीय भजीतं। एक एस में उत्पाम कि दुरू'' रुक्तु हें निमान के किड्डो िगमड़ १ कि दि मद्रम एक निड्डो मुंडे तुंडे दि प्रकृष जानामन कीव्य निक्र मिस्स सिष्ट भिट्डो मुंडे हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं

िएक जास्सी प्राप्त प्राप्तिक प्राप्ति पड़ मधर'' हिस्सी ४ गृली के जिल्हार कि सी है के हु छई मड़ जारू के स्ट्रिंग कि जािहार और क्या । है "गािकापि कि गिरिताड़ार कि सीएक 'है जिल्हा कि मिर्पुट्ट "गािकापि क्या ए एक्य क्या मड़ में क्ष्रिंग कि में खिलािकापि ४ हिप्तीह में एउड़ाइट एड़ कि । है किस इंग्लि छि सीएक ,िपिड़ के फिलािय की ई उप्ता । है गािकापिस को कि क्या लिंह कि पितापिस कि क्या लिंह कि में

ै। ई,क्रिक किड़ि मक्नमक क्रिकशिक्ष उग्रम उड़े की राह्मीरो हे वराहरता म रे×रे×र्र=र्रे। साप दलन निर्के प्रसि , र्=र्×्र मिड्र क्रिक्शीप में एप्रड्राव्स के फिफ़िड़ार कि : है किटिम एक मेंशकेमी फिक्शीय

"१ रिविह फिक्मीए पिन क्रिय के टिक्टिंग्ट ०१"

ी है 1511म है। इस परना के नहीं परित होने पर में १००० को धत होमिल होए कि एक है उन मेडि छड़ीय के प्रमाय छड़ भीख रिष्ठि हेर हे हैं एक फ़िक्मीप्र किएड (हे हि एउट्ट राजिए र्जापका महाय की है अध्यक्ष का राहितार

क्योंक कि में मेर हे प्राथित क्षेत्र के उनमें से भी अधिक है क्रीक केप्र में मिक्स "! है सिमामूह दिव कि हेट"

कि नेत्रीय कि दीर पड़ की प्रतिष्ट कम हुए मलीहे" ै। है फ़क्छ फ़िछ हेछ कि

"। है क्य रुक्त में ०००१ किवार ह

००९ मग्नद्र की बुरामित कही द्रम में कि मनी के नियन "कोई परवाह नहीं। १००० हमने के लिए १ हमश

ां है मक रामका "पाप जानते हे कि इस सभावना को प्राधिकता "। गड़ 1ड़ फर्मु आस्डार

1. 1

"सम, दूसनी ही हैं। महास अप इसे मान सम्मान हैं है दस्तान मान मुद्र भार अभा

ें। है दिए कि ईंफ़ कि कि मेंहिकी इज़्हों के ईंफ़ कुए ईंस् शाह (प्रदेश

लगाते हैं ?"

ैं। हे सार र्म कि इस् भिस्त । सन् भिर , रंड-रंड'' भिष्म में । गर्ने किस प्रह्म कि इस ? स्कू भिरम् "। गर्ने के इस्पे है हिसीड़ा किया में किस के प्रिक्

ि भिक्त महा की र्तनार 'ड़िन ड्राय महा पक्ष क्लीर्ल'' । फिर्मित ड्रिन भिर्मित कलाड्राम ड्रेम्ह । र्तकस ड्रिन जिल्

नेहमी के हिनगी। "तिशान हम होड़ इप डिन" -केड़ कि छन्। आप के प्रियं कर्ण", राड़क

सरसिर प्राग्तिपन है।"

किं" किं में हिनागीए "किंग्रिम क्रिक्ट नकीर्ह" "। ई नगलाए दि केंद्र कि एम्ड क्रा में निष्मी

में । है। सागर में एक बूद-मही संभावना है। म "संबन कुछ वा सभावना है ""

। किई हेक्स किरक्त हेबी।

यकोतन जीत जाउना ।"

कड़ में महारे ही देर में सिप्ताहियों की एक पूर्व पंतर महत्त कि है।हमू हो है कि हो डिडलीमी के प्रदान में होत

# र्गेष्टाईम हिमि

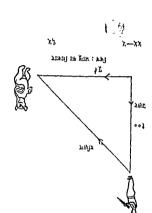
ां है होई एक उन्हार महिन्दी है। एक उन्हार के क्षेत्र के कि महिन्दी है। उन्हार अहे कि कि कि कि कि महिन्दी के मिल-हिन्दी है।

یز CON OF

ें है हारह र्जिक र्रीप्त रिक्र इम उम किए बुलती हैं। ज्ञा की ग्रोह जो सभी दिस्स ्हानाम प्रमाइही -म गिरिहि हीत्राह तंत्राया और इसकी निक्म ज़िलाह कु क किन्नास क्रम × × 1 15 मध्य

। है सित्रुं हुमर हि नए छक्ट पर फिर्णु । यू.ट उनस्टें मिंडु ग्रेप्ट स्पास साथ साथ इस्स्रें स्टब्स । स्टब्स्

। 195मी प्रभी के प्राक्षती के द्वाप शिक्षती क्य क्य दिए प्रभ शिङ्ग कि इस ००१ प्रक्षि कि देष्ट क्याक्य



#### क्रिक्र ध्रीन

환 상

112

मिड़ा क्षिपट द्वह कि उत्तर 1 मारी मिरली मुपार दिए कि मुपार --वाचल संगान पर 1 मार घर भार भार पानदी कि उन्तर सिंग्ने में ड्यापपट स्थिप मिरल मिली मिरियानी मिट 1 मुर प्रत्य द्वार प्राप्त में में सिंग्ने मिरियान १००१ । प्रांत में शिर्म कि मुपार में में मिरियान मिरिय

। एष्टीकि इक्ट र्स स्टास्ट साथ व ए स्वती १

क्ष बनाइए, भानु का दंग की भान है।

ज्या नमा-तड़ी कार्राट जीशि । स्वीट : रास्ट इम्सार्ग के किस्त्री है अर्थ है । स्वीट इस्स्राह

### १ १ की पहेली:

इस पहेली की कथा बहुत ही मनोरंज है। इसम एक दर्ग-वॉक्स होता है और इस वर्ग-वॉक्स पर १५ व्लाक रहे होंते हैं। जर्मन गिरातज्ञ आरंन्स ने इस पहेली के वारे में लिखा है:

"सन् १८७० के ग्रासपाल अमेरिका में एक नयी पहेली— १५ की पहेली, का प्राद्धमीन हुआ। इसका प्रचार हवा की तरह से कैलता गया। धुरीप में भी यह पहेली

गृडु कीनम्बर्म कि किईंग घठ उम ताम्ब रह :सार । किंदुंग । जिल लमी पिंत जिस विमे विकास

-पिरम् भिग्धः प्राप्तः हारू कि वहन मुद्धः प्राप्तः पर क्षाः । करम् विधानि क्रमः । क्षाः निस् । क्षाः । क्षाः ।

ভাল ঠুন্ত দাম কী দেবা কৰু তদন হুদ্ধ দি নিচাটোদ য়ে দেবাই দিদেবিট্ন হিলু দেবম হুদু ট্ৰুক চেটাবিদ হুদাল দেব দেবিদেবি কি কিছুদ্ধ দৃৰ্ ( দিবুট ফেটাবিদ্ধা কুচ্চ দিবি কিছিদ দিবল জুবু দিবিদ্ধান দিবুট কুচ্চ দিবিদ্ধান কিছিদ দিবিদ্ধান কিছিদ দিবিদ্ধান কিছুদ্ধ দুৰ্ঘিটি স্বাহ্ন দিবিদ্ধান ক্ৰি

--ई रामनी में हामेंन पन्न में रीव रू किंदी ग्रह

छड़ कि देकि कि एएविक कुछ है किकि शिक्स" "। रक्त किकि द्विरू कि सारह के उसेड शास्त्र

	7. 2	<i>s</i> :	t٤
દેદ	2.2	٠.	3
-	c	<b>1</b>	አ
5.	ţ	È	į

ः १ भिष्यं मक्ष समीममी क्षणं क्षितंत्रः

	5.3	ક્ર	ξŞ
55	કક	ડેગ	3
ב	n	k 3	አ
۶,	ŧ	è	ż

: ९ होध्रे मक् हमीयमीह ।क किना

ाइक मड़ क्षिर्म हाम कि निर्डुप सड़ कि किश्रोप सड़ और ई लडीर डि ठड़ुर निर्डुप ड्राय स्ट्री । स्प्रिप न्याय कि हाणीर हर प्राधी के निस्प्रम स्ट्रिप क्ष्मि

कि कि कि कि कि मारिक्ट तक द्वापट सिक्षाट : ई हन्स्र कारू प्रश्न भी से हेन्स्र की प्राप्त प्रश्नित्त प्रतस्य स्ट्र लिक्ष्मी की सेर्क-प्राप्त द्वि तक्ष्मीक्ष्य में सन्न हमीक्ष्मी । ई एक एक्षीयर

िरम को प्रस्तीति हाम प्रस्ती ने ४५ दिस्थ विष्या छक्ष । ई प्राप्त छिर सं पत्र त्रस्थीहरूप्य क्षीर प्रसिद्ध हिस्स । इस्तु स्थाप्त क्षीर हिस्स ।

तिष्ट दुर पट कोल्ड ; लाक हा । प्रिंगाः किम ग्रहरू ,05 ,85 ,05 पट प्रिंग ई गियाः क्या विक्रिट — इ ,05 काल्ड 1 हुं में प्रिंग्वी स्थान-एक प्रश्ने प्रश्ने किल्ड ह्निह्ट कील्ट क्या हिमाः कि 95 प्रिंग ,85 प्रिंग ४९ वोल्ड क्या 1 ई भागः प्रामेश क्या प्रमाय प्रमाय क्या हुर प्रां में एक स्थानिमायिष्ट एक क्या स्थि । है हिल्हिंग प्रमायाक्यीय क्या प्रश्ने प्रांचित क्या । है

णिक्षा कारीशार कि शक्ष कि विक्री कि कि छि। किस में स्थित है है सिक्ष्यी कि सिक्ष्य में सिक्ष्य किस (हिस्सी किस्स्

मान कि 'ह' मड़ में शिंक होती, ग्रिस्था कि 'ह' मड़ में भार कि हों। कि होते के प्रिक्त में लिखें कि कि कि कि हों। कि मक होरिस्थी कि कि हैं कि हों कि 'हैं। हिस्से कि 'हें कि 'हें। कि में 'ह' निष्में कि 'ह' निष्में हों। । कि कि हों।

1912 क्य : है मक्ष कि के फ़ाश्मिमी प्राक्य मुख्ट तिल में मक्ष नमीधनी कि १ तीध्मी कि क्षिएड मुद्द क्षेट्र प्रीष्ट । में मक्ष कि ८ तिथ्मी 1912 रिस्टू प्रीष्ट है मध्य मुद्द मि मक्ष तिमीधनी कि १ तिथ्मी ,तिरिम्ही तिथ्मी प्रीष्ट है किस्प एक प्राप्त तिथ्मी हैकि कि कि

, it was a a the fire for the fer wheal he gives to there we have the first tree from the form of  $\frac{1}{2}$ 

neith for by at this poor it there produce then it entite artifum 1 up 3 are bod out of it 1 & up 3 are to recent of produce it we there she est up armon ares as this first of it neis it feet says at the litter is artifum now yield are therefore so the relief

are reliefed if we say it are to it is

are reliefed if we say it are to it is

are reliefed if we say it are to it is

are reliefed if we say it are to it.

नञ्जीर ।कनवी है हर्ड किसीड्रेप किये द मड़ मेरि । ई हम्पेर 7सर्थ

2 5 7 7 7 t t 1

—प्रष्टीर में मक तमीयनी कि किस्टि के ९ हानी १ प्रहीड़ि मिष्ट कि कोल्ड के चित्र है।इ के प्रस्ट अप्रि १ प्रष्टीइंड मिश्री कि द होनी हैस्ट क्रीयप्र

 ( ) ( ) ( ) ( )

 ( ) ( ) ( ) ( )

 ( ) ( ) ( ) ( )

: ६ किंही

ः १ फिर्डिप

क्य सिंग के समित क्षेत्र कि निर्मा । इसे अपनी एक भुवा पर सड़ हैं : रेकाकर कि कि कि कि अपने कि अपने कि कि कि कि । एड़ारु में निश्नी कि इ ह होने

 ×

निशरक ठिएस रम लाकष्ट कि छिड़क्ति कम कि कि कु कि रूपम ठिएस कम कि एमकि छम्द ००९ रिक्टिट। ड्रैंग । शिष रम रिस्ट क्या है।

निष्ठा प्रेटी, सिम्ब रिम निष्ठ सिट सेट स्ट्री रिम्ह निष्ठाम मिल दिलूर्फ रिमट्ट क्य कि मेम्ट ००९ से स्ट "।

ज्ञानम्पर कि छिड़कि । कि इंग्रेप छिष्टे छिम्हे मिहुर । देहु जायते कि स्लिम् ही द्विन जी कर्मी

। र्गीम मैंक्ट ००१ प्रीव र्स विक्रीं

किएएड कि किन" ,ाड़ेक की ड्रीएड छुकू कि कि कि कट कि किएउ ००९ उन्हों काष्ट्र ग्रह्म एडड़ी उक्ति कि किएड "। है हिस्स कि किशिष्ट क्षित इस इस । कि किशि

"। है । मतः सब सुफ्रै महिन हैन । हि दिहुए । मिन्न मिल्टन हे मास्टू बुह प्रसङ्घ मिल्ट

ाम-विक्रि कि पास । एक द्वेर तम्बीर प्रमिष्ठ । प्राप्ति । । है अक्षेत्र कि के कि कि के कि कि

× × ×

। एवंदि हम-एउद्देशिक प्रस्नी के दिन्दित संप्राप्तम क्य रुक्त प्राप्ति कि प्रमुशिक स्ट्रिक्ट स्वा प्रक्रम स्ट्रिक्ट । प्रद्वीप सम्बद्ध

—मर्नार हि प्रयम स्थित हुन में प्रमिन मजीर

कि माने मिर्ग मार । द्रामीय माने प्रस्ट में ऐक क्षण । - किसी इंस्ट्र - में किया गार्ट (किसी इंस्ट्र गृह क्ष्ट्र हैं) से से

१९९९ क्लिन्स संस्काता स्था है - कुन १९९१ । । १९५१ - इंग्लेश किस है - इंग्लेश ।

स्य हुए । अस्य क्षेत्रक साथ साथ स्थाप हुए । इस्य हुए । अस्य क्ष्यक साथ साथ साथ एक्स् । क्ष्य बच्च

हैं—हें स्वा

किन्मी हिट्ट कि मन्नी संग्र दिशाए कि पारमीक रहा. किन्मी हुई स्थि गर्छ। मन्नी ३५ गृह स्थि -है

किल्मी हिंहु। कि देह अल में निक्ति में सम्मन्धीक्षे । भन्नी =द हैं किन्द्र मुद्दे । मुद्दे मन्नी ४१—है

क्तिमी हिंह किमार कि नहीं ३३ क नीतिह र्कन्छ"

१ । शेर बन्ने केवल १४ दिन ।

े भ रभ-पेर कि सार क्रिनीनही रसी राष्ट्र । क्षि ४ मेर पर्ट । है कि है कि कि करी ही प्र

ं हि मास मनई कि भड़ी ४ मद्र एफ ,फाड़िम कि" "ें है निर्माप प्रामुख्य

किमा कि शाह का महेंदी का भुद्ध आप के मिल्क

X

×

या वाएंगा।)

×

लिए एपा कि में उद्दार कुछ में क्रियक दिस्का में मुद्दे । किटी म्याहमी कुछी के क्रियम स्टिस में क्रियोट कुठि स्टिम् इस्स्में ई में क्रियम्ब —ाद्वम क्रियम्

रूप है एक सिर्म स्थाप के झामड़ी के फेडररीए ईफ्ट ०००९''

The fe over one does filosofin to wor voith is sooin suffic grow 1 fis on stuffe sing The fine does him the box on your if

ार कियोच्य हि स्पष्ट कि क्योच्य रेसकि है रहिसे में रहहीं की महीत्य क्ष्म है किये कियो क्यों कियों कि कियो के क्ष्म की क्यों कि क्षम कियोगाये कि रेसी किया क्षम सामक्ष्म किया किया क्षम क्षम क्षम क्षम

to kyp fe anden singh si steps 1 listhe five the moist mas while si sinchlication is now six sixush now no sixusig si imalia is now 1 mal regal maly n

णिक्रीप्त द्वीकृ रिएउ ००९ तीः कि क्षिप्त स्त्रीप्त सी वर्गी क्षिप्त ००९ तिम्ह क्षिप्रण । सिद्धि प्रधारक्ष से स्त्रीप्त क्षिप्त ००९ किष्ठिम साम्हको सि कियात । एक सहक्ष साम्प्र द्विम

१६४० + १६४० = २३०० । १२०० + १३०० = २४०० ईसदा सर्व :

रेड०० + रेड०० = ठ€०० । रे८०० + रे४०० = ठ€०० धुसिदी सेते :

१४५० + १४५० = २६०० १६०० + १५०० = ३६०० इस प्रकार हुम देखते हैं कि तीसरे व्यक्ति का नेतन अन्य दो व्यक्तियों की अपेक्षा प्रतिवर्ष १००, २००, ३००, ४०० … अधिक रहेगा।

: प्राप्ति

: pp lble

: मामुह

डम तीर ,ोक राक तिमय तक्षीय कप -ई छाट रछायो तक्षेम ,कैरक यत छिटू छति कप दि गई किता थू के फिर्डट किति छति कप रहि छिम्हू । ई तित्र हों रा कीत ,त्याई तत्कर तक्ष्म विक् स्व राक तिम्म हें प्रश् तिम्मिंद कि लित कर हों होते हों तिमार तिम्म हों हों

े से ज्ञान होटे ट्रिये . परिक आकृषी के पड़ यह उप छोप सक्त ट्रिक पत्त से जाएड़ी के दिन होट होटें के उप होटें होटें ट्रिक होट एवं तक शान सिम्प्र क्षेत्र होटें होटें होटें होटें पर्का कर अर्थित होटें होटें होटें होटें होटें

 $1 \circ \xi = \frac{(\chi x + \chi y)}{\zeta} \operatorname{Tr}_{\xi}^{3}$ 

० मेल के जिए ग्रीस्ट वेग ३० मील प्र॰ प

तिसीक स्वीट ८६ पाएसित क्षेत्र १८८ ।" 105 = 20 स्वर ।" 105 क्षेत्र क्षेत्र । विक्रं चित्र क्षेत्र क्ष्म क्षेत्र क्षेत्

ारे सेन द्वार स्थात हो होता । उतका भोवत वर्ग होता में १ इस्से मीर मेंट ने १ इस्से मेर मेर मेर

। ई हुंग है 18स्त्रीईम हि पड़ क्षित्रव्यान्तिशी मेंकि किस्ट क्रिश्म । ६ क़ि शिस्त्रीईम कि शस्त्रीत में में मत्त्री

स्व स्टाय कि एवं स्टाय स्टाय स्टाय स्टाय स्टाय स्टाय स्टाय है। हैने हैं उससे मणियोग स्टेस स्टाय स्टाय

ै। ड्रेन्स् उस क्षां मानी र्मा मानी का पुत्र हैं।" इस नी प्राप्त क्षां माने क्षां में क्षां में क्षां क्षां क्षां

त्र ति है स वहन है में प्रताह है में प्रताह है में प्रताह है स्वतं है में प्रताह है। स्वतं स्वतं है में प्रताह है। स्वतं स्वतं स्वतं है। स्वतं है। स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं है।

षठः "बहु व्यक्ति" बोबने वाने का पुत्र हैं । ज्यरोस्त स्पटीकरणः, ऐसा तनवा है, मानो किसी ज्योग्वीय प्रयोग की सिद्धि हो ।

—ग्रहीरिः क्रिक्र क्य उदि । ड्रे सिंड ठड्रकट प्रतिः क जारुरीर इंह क्य

मार कुए है रहिन कुए है मिल्लि में है कि एक मार्च है कि स्तिह कि दिश्राम का दिशा माहित रिव्ह शाह क तम एक दावा है एक बाह्य है है। प्रिया है से म

रेड्ड स्थाप्ट सन्तर रहा म पाल्या 1226202182

1 gc--11571 PIR

1 88 年年 居开

ाम क्रम्छ । है। म. है। किमी के क्रांगी क्रम्छ । है। it क्रिक्छ के 15Pl Tope 1 है Tकड़क कम दें 18फरेड़िक 19 15P

म समम किड्री । प्रशिक जाममी अपूर । प्राप्त म 1等压多形时事

माणाह ए

X

×

X

## फिलीईप थिहंमे क्रिक्ट

ि है एक इन्ह

ुर्व स्वास्त्र में स्वास्त्र के से स्वास्त्र की स्वास्त्र के स्वास्त्

suy öğ fə sif ö sərəi yüz üzurəv vənəri faradı aradı faradı inə ələnə ələnə yaylır məş fərə yəylər məş fərə yəylər fərə yəylər gərə yəylər yərə yəylər yərə yəylər yərə yəylər yərə yəylər yərə yəylər yəylər

: फ़्रुम । ल क प्र (ह)

हि फिल्मी द्रिक्ष मंत्र एष्ट्राप्ट व्ह स्माप स्व उद्देशनाम् १६ में भूनिक कार्यान् से मानी कुड़ सोमान है-

कि रामिन-नार्भित रहत ।। स्थान मान द्वार हिंगी-न्य नहोंगे (हेज़ार क्षेत्र क्षेत्रम क्षेत्रम (ह. १३ % % (ह. १५ % 

निनर प्राप्नति कारीसार भिरीपी शिष्टि कार । गिष्ट

: प्राचीति एष्ट्राप्ट्य शिक्ष । है एम्प्रेडीहरू नम् कि कि

... 23 (32 (32 (32 (32 (4 (3 : ग्लिस कि कि कि कि कि फिल्के क्यों होए को के हाट (१)

: Fight  $\frac{y}{a}$  (c)

 $\cdots \frac{x}{e}, \frac{x}{f}, \frac{x}{x}, \frac{x}{x}, \frac{x}{f}, \frac{x}{f}, \frac{x}{f}$ 

। डि़िन क्लाइ डेक्सिक कि फिरडिस के फिल्रीहर सिप्त म्ड કે જે *લે કેઈ કેઇ દે*શ ઠેક્લ કે*ત્રદ*…

हि के पेंच ००१ एसाम अभी लगभग १०० वर्ष पूर्व हो क किछागीए रिप्पिक्ष कि जाकर स्ट्र कर रिस्ट्रीतिह

म इसनी मही व्याख्या कर पाए हैं। पन् १८५१ मह

٤s

को है तितिक किमड़े तिशी किम कार्यात है जिस का मार ० पन सवास है: इस खेली का वही जीग क्या है—

#=#-(#-#)-(#-#)-(#-#)-(#-#)-

मड़ कि फिरड़ा के गिरंथ मड़ कि किछत प्रमाय का द्वी

g=(d-d)+(d-d)+(d-d)+(d-d)+... कि है शिक्त घर कि मड़ के कित्रहा के फ़िक्ष छड़ होंग 4=4-4+4-4+4-4+4-4+... प्रधीक राष्ट्री रूप किए हर हेंम कुछ नीने के उदाहरणी से लग सकता है। मार्गाय कि साम कि विका विका मार्ग के इनका सामास पहींबयी, नामक एक वृस्तक अकाशित की। बस समय कि किन्छ व कार्य कार्य का भारत का

ग्रीट र्यक्ष यच्च प्रराक्ष स संबद्ध : ...o--o-----

वधारत करते हैं, तो

...+0+0+0+0 =

स्यः ५ स= सः चा स= 🚣

#-k=

मार कि पिष्टि-सहस्थि में सिरामुप्तीम कि पिष्ट कि राज्य क्ट :क्रफ़ हु 11535 11557 विस्ति व्यक्ति विकास के कि स्ति र विकास विकास क्रिक्ट । ई डि़िक साम छा-डीसी कुछ देखि एक गिक्छ एड्र

। है 116व

× × >:

क्रक प्राप्त कि फिल्रीरू मुद्र एगद्व सीही मार कसीलाङ

····+•=->=+×=-==+=->====+=+>

किम किरक रामक रिमार्गिक सि रिक्र मड़ राक्य सिट्ट 

म्मिन गिंग कि सिम नियम अथित सभी का पान मिन रिप्त कि जिस् है। कि कि १ कि एक एक कि कि कि जा सक्त है।

3-3+3-3+3-3+3-3+3-... —ागि इ रहारह के गिष्ट के गिर्मे

-<del>1</del> = ... = ₹= ₹= ₹= ₹ कत मां क्या स को द्वार में क्या होने क पीर बाई और का सूत्व होगा, कमरा: है, है, है. "।

। है 1557 157क नहांट्र होंड के ० रिमि नाम किन्द्र प्रीय है फिर-निवार कप हरते कि फ्रिड्रॉक्ट बास्तव सं, १-१+१-१+१ अथम

= 6-5(6-5+2-4+66-35+62-...) 2=6-5+2-=+66-35+62-65=+... नेहिन्सानी की युस्तक का एक भीर जदाहरए। लीजिए :

42-3=

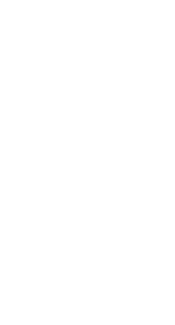
किक्स कि विषये वह अपी इस प्रकार भी जिल्ही जा सकते મનાર્વ કંસ=ડે' હા લ=31

: हे क्रिंट अन्य अर्थ क्रे हुन्ही। ई 15ई उसपर रिष्ट कि छन्छ लाम कि मे क्रीक्स ×3+2++++6+3= ...+(36+5f-)+(36+2-)+(x+5-)+6=H

किड्रि प्रथम प्रीय कि जिनम एउट जाम कि पिर्छ छड्ड -8-1-8-8-8----+(26-83)+(26-36)+(2-8)+(2-6)=H

1 2

( 1/3





क्षिष्ट के ए कि कि इंडिंग्स कि (इ) फरवा किन

21. 122.21

21 114=21 12,一型 11,1

१५ मिएस्ट स्कार्धका काल हिनाहर् — राह्म कि क हें- ,गिर कि प्राप्त गिया और दे भिनार पर स्थिति कि हत संसाधिक मार स्था होते होते हैं। स्था हिस्साधिक हिन

वरावर है, निर्माय निरुत्ता है कि : एक पितु एक बुत को ग्रदियास हानी वृत-पारीय म सिमर जाता है। लोक्न मुस व विश्व में सिमर जाता है और रेखोंक्ति वलप बस एसाहरे हर । ई फिर्म्हेंग रेग एर ५ इन्हें फिर एस भने करपना कीज़िए कि व के रेखा व न रेखा की

महे हुद्ये क्ए : में एक्का किए । है प्रधापन के घीतीए

×

X

प्राध के 'क्षेत्रकत' के वरावर है।

## : जागीएक हि कि क्रमिएत

×

कि नियम्भि कि पिलोईम कि मनम् इतामी मुद्र साध कित पहेलियों के बाद से गिछली शताब्दी तक

हि39 मेंडु रुड़ कड़ कड़ीय कियुट हुन्छन । ड्रिड फ़रुक प्रशीव इड़ाणीन रुस्ट । फ़रमी ड्रिड में फ़रुक मस्तीय के क्विहिंग कुछ पिकच-रुस्य ६ (2939—1823) उड़ाले

कतिकार में 5 में 7 कि मिरम के जाइसी के उडके हैं। [ ई किक कि मिर कार बढ़ में दीय के सिक्सी सिक्स मुद्र कर ई क्षा कि कि कि कि कि तिम कि मिर्फ़ कि ई ठिक किम्मी कि (2210) 2010[1] कि उपिक्री दिस मान के किन का फर्क है ई ठिक किम मिर्फ़ इसस मुद्र उसके कि छुट कुछ कुछ के कि मार की क्षा कि

उपनिम्छ गाय-ई किम्मू कोष्ट का कियाय छ। डिम डि.

31

। रिग्हि क्षिड्रक्र

ामजी सनक दिन काग्रीर भेरः

र्ट ,१ । एड़ी मन्छ कि छाणीए एर क्ये छिन्छन । क्रिड़ १८,१ । एड़ी मन्छ कि छाणीए एर क्ये छिन्छन ।

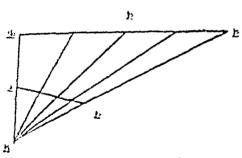
खिएछो हमोत्रीय ६ उउने में बिएछो कि "''.' है कि में बिएडमें हमोत्रीय उत्तर छो । ब्रिएमसे कि । हैं के कि में खिएडम हमोत्रीय उत्तर छिट हैं छीं हम से कि हमोत्रीय उत्तर बिल्क हैं हैं इस से कि हमें ".' ह , द , "' कि बिल्क को स्वीदार उनी प्रथि प्रकोर कि बिल्क हुई में हम्म कुष्ण प्रय —िक प्रथम कि क्षा कि क्षा कि को स्वीद हों से इस का स्वीद —िक प्रथम कि का स्वीद को स्वीद को स्वीद हों से इस हम

\$' x' e' \$e' 58' 58' \$e' ...ds'... \$\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac

वर्गा मार्गा विशाद करने पर यह स्पष्ट हो वर्गा मार्ग में मार्ग प्रेम में स्वाप्त करने पर यह स्पष्ट हो स्वाप्त में प्रमास की प्रमुख मार्ग भिक्त-एकसम्बन्ध स्वप्ता है। उनकी वर्ग संस्था मार्ग भिक्त-एकसम्बन्ध स्वप्ति-वर्षण यह है कि तथा उनकी वर्ग-सब्सायों को वर्ग भी भी कि मार्ग मार्ग-सब्देश स्वप्ति के स्वप्ति स्वप्ता मार्ग मार्ग प्रपत्ति है। धोर एक उराहरणु स्वित्ता

क्षित्र । प्राप्तिके मणनी क्षित्र प्रकृष्टि के गामनक करनीहार प्रपट्ट गाम कि मज स्ट्र । है वृष्ट्यक काव्यक क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य

त्रक्ष एक्ट्रीए एडु एएड डिस्ट्रिसी रुएसाई एपए कु । है किएए उक्त डल्ड्राड कि किएए पर ति प्रकार सेंग्रेट क्येंट्रीएफ किन्नुबाई कि डिस्ट्री के ११०ई की किस्ट्रीट्रापी कुछ सिस्ट —प्रकाई कि सीक्राय कि सीरे । है हुएसे एपक्र स्पोर्टिक



को निरुटी है हुन्छी हि निरुट कि में मिड़ी किंग्रम क्य । हे में रुपाकुर ऐन्निन

î

āfe ne vers de—§ 10æt 10 18g vir āfe du žing de vorālu čug ir ige ig devidi de vers ufbule vs vel de ige vulte ælde dopt de ig deve su vegeu rede i fre fre 10æt devide deve ve verse fed i fre fre ir ig sendie irel ése erisel ufbulte ig r go ige devidie irel ése erisel ufbulte ig r el gig ige top pe de ispulte it vel i free el gig ige vel irel ése erisel ufbulte if

## फिर्रिझ कि हागीए-क्सीह

of noiseabottal कार्य तिम्म सं स्टाइक्ट -तिष्टें'' : ई प्रस्ती सं yaqozolia Useitemealta Noisea क्रिक्ट स्टाइक्ट स्टाइक

इसे कि सम्झ्म के जिएत और गाएत के सम्झ्म की जिल्ल करता सम्भव न होगा, क्योंक यह विषय बहुत ही जहाँ है। तिकिक-गीएत सम्बंधी कुछ पहेलियों पर ही पहाँ इस विचार करेंग।

सिहै। कि हिंडिमेमिगी है सिहैं क्लों कि इसीय सेंस् किन्हे। कि किनोंक्षेत्र सिमिन्द्र क्ये हुए मिं किशित हिंड ० पू में निम सिंह ग्रें कि इस सिम्हों निम्हें हैं। । (हैं सिमि क्यें पिन सिम के सिक्षेत्र कि

े एक्ट्रेंग तक्का तक प्रहि ज्याद कियाय में रूपक छड़ हिक्क टिकाल्ल कि तिंक्त की प्रावस छट्ट कि उसी रुक्षेत्र एस कि उड़ा छड़े' 1 है एसा प्रति सिस छाथ' : है कि रूप रुप्ते प्रति । द्रीस प्रहे प्रतिस्थे प्रावसक्ट सक-रूपक के ईसि ९ फिश | है 105 उक्त एक्टेंग्स कियाय । प्रकृति स्थातः रूप-रूप कि

। है दक्ष मथन क्षिप्त के क्षिमीग्रामी-डक्षि (१) । ई कि क्षिक्ती-डक्षि क्षेत्र (१) मध्क (१)

(३) मध्य कथन (१) मध्य हो।

। है हिन द्धुर नमक भिष्ठक किसीकिनी डांक रुप्र (४) नमक सिंग्डि । है। स्थापित्रच्छ में (४) प्रवि (१) नमक

रुप संस्व (४) रूप स्थानिकट से (४) प्रीय (१) रूपक (६) रूपक (४) रूपक पि प्रत्यो ,किस दि क्रिय शास क्रम

1 § 明昨 春前市 伊 × × × ×

बाक के विकास किए। हैं हैंड़ कि का क्षा कि मार्च इस के के कि कि कि कि के कि के कि कि कि कि कि की कि कि

। ई छंड़ि शरमम के सिम्मी किछ (१)

। है मधनी क्य (१) सम्ब (६)

। है ब्राष्ट्रपत सि. के (१) रूपक प्रतास्त्र (६) । हिंद्र द्विरू ब्राष्ट्रपत के स्मित्रनी सिस्त क्रिय (४)

## : किईम कि छर्गमर्जा

1 हंदनीहोड़ क्य (१६०११ ट १० ८ ८) स्पोस्टांस की फ्रिंगी उपक्र एक के एवटी कुछ स्मेस में स्पोस्टांस इड़ शास के स्राप्त समझ , उम सिंस हि स्पास एक्टांटी में कीस्थ मह । ११९६ च्या दिवह (११०४४४९) स्थित कि वृष्ट् स्टेंस १४६६ कि प्राप्तंस इत्या १६२१ साम स्थाप्तंस में स्टांसिडांस । हिंस १४९६ प्राप्तंस संह स्पूर्ण । ११८२ । १६८२ स्वांसिडांस हि स्वांस्ट्रेस संह स्वि

प्रांतिस सङ्क्ष्म सह स्मा '' वा ने स्वास्त्र स्वास्त्र

में शिर", 15क रियारी ", 15र राक्य एड, 15र"। डिन 16र्म स्पूर रास्तुक के घणेनी के डांक 16 हैं 18तिथ के राप्टक रामड़ कि डें 6किथि पास शिर , प्रिश्च। गिड़ 1रिड़ मि किसी। गिर्फ 1रिड़ 1हिर 18र्म किसी। । गिर्फ 1रिड़ 1रिड़ 1रिड़ किसार स्पूर्म में 5रिड़

र नारु निक रे है डिप्त नष्टक किप्तनी

रहात के एक नाई ने नियम बनाया .

में ,की है कानीएमड़न हो में गिन्सू रिस्त के ताहुई"। किन पिनध्य पटड़ कि गोल्दामड़ा होता होता हो गोलूट हर गोल्दामड़ा किनड़ा कि गोल्दामड़ा में मुन्यमा है जिस्स गोल्दामड़ा कि होड़ सिप्त होता होता होड़ा स्थान होता होड़ा

यडी दनाता है या नहीं बनात । स्वयं उस भाई पर ही बिनार कीजिए । क्या वह सपनी राही दनाता है या नहीं बनाता े

ि हैं। ठात होड़ि सह स्वय प्रपत्नी होड़ी साम कर उस सो का सबस्य बना जाना है कि कि स्वयं अपनी रोड़ो कि होड़ि कि होड़ि क्षा अपनी साहे क्षा अपनी सहा, सब मान सोडोड़ि कि इह स्वयं स्वयो रोडो

की ताल का समस्य कि का स्टर्ड सम्मान होता की स्वयं अपनी रादी मही ताला। परम्बु बहु महि उन सभी पुरुपी की शांत बमाता है में सम्मानी शांती मही होता होता होता है।

हुह मीरिह । हैगर्ड हिमी मिमी मिसी हिम । - प्रिंग प्रमान हिम हेंग्रह है। - प्रोप्त । प्रमान हैं।

उसरी दाड़ी की बया हाल होगा ?



